सभी कलाकार गोल घेरा बनाकर ताली/ढपली बजाते हुए:
"आओ-आओ सुनो कहानी,
टीके से होती है ज़िंदगी सुहानी!"
आओ-आओ सुनो ये बात,
टीका देता जीवन भर का साथ !
पात्र परिचय
(नाटक शुरू होने से पहले)
तुलसी:
नमस्ते सभी को! मैं हूँ तुलसी — सेहत की सच्ची साथी,
घर-घर जाकर देती हूँ मैं टीकाकरण की सही जानकारी।
संध्या:
मैं हूँ संध्या — एक माँ !
मेरे बच्चे की है ये दास्तान !
इच्छा:
मैं हूँ इच्छा — दादी पुरानी सोच वाली!
पर आज सीखूँगी बात निराली !
सभी मिलकर (मुस्कुराते हुए):
"देखिए एक छोटी सी कहानी — *टीका ज़िंदगी का!*"

दृश्य **1:** गली में पानी का टैंकर ***(संध्या पानी भर रही है)***
तुलसी:
अरे संध्या बहन! कैसी हो?
संध्या:
भगवान की कृपा है, ठीक हूँ।
तुलसी:
और बच्चा कैसा है?
संध्या:
ठीक है तुलसी दीदी, अब ढाई महीने का हो गया है।
तुलसी:
अच्छा! तो उसका अगला टीका लगवाया क्या?
संध्या ***(थोड़ा झिझकते हुए):***
नहीं दीदी। पिछली बार टीका लगने के बाद उसके हाथ में सूजन हो गई थी, बुखार भी आया था। बहुत रोया था बच्चा। अब मेरी सास भी मना कर रही हैं।
तुलसी (प्यार से):
अरे बहन, चिंता मत कर। थोड़ा बुखार आना बिल्कुल आम बात है।
तुलसी (दर्शकों से):
बताइए भाइयों-बहनों, क्या हल्का बुखार डरने की बात है?
दर्शकों से प्रतिक्रिया लेने का मौका
तुलसी (संध्या से)
तू पानी भर ले, मैं तेरी सास से बात करती हूँ।
दृश्य **2:** संध्या का घर
(इच्छा चारपाई पर बैठी हैं, तुलसी घर में आती है)
तुलसी:
नमस्ते अम्मा! क्या गुड्डू का ढाई महीने का टीका लगवाया?
इच्छा:
नहीं बेटी, अब नहीं लगवाएंगे। पिछली बार बुखार हो गया था, सूजन भी आ गई थी। बच्चा बहुत रोया, हम सब परेशान हो गए।
तुलसी:
अम्मा, थोड़ा बुखार और सूजन आना सामान्य बात है।
आपने देखा होगा, जब बच्चे पहली बार साइकिल चलाना सीखते हैं तो शुरुआत में गिरते हैं, चोट भी लगती है। लेकिन वही अभ्यास उन्हें आगे चलकर अच्छा साइकिल चलाना सिखाता है।
टीकाकरण भी कुछ ऐसा ही है।
टीका बच्चे के शरीर को बीमारी से लड़ने की "प्रैक्टिस" कराता है।
इसलिए कभी-कभी टीके के बाद हल्का बुखार या दर्द हो सकता है। इसका मतलब है कि बच्चे का शरीर बीमारी से लड़ने के लिए तैयार हो रहा है।
एएनएम दीदी दवा भी दे देती हैं, जिससे कुछ दिनों में सब ठीक हो जाता है।
तुलसी:
अम्मा, सोचिए — अगर हम थोड़ी सी तकलीफ सहकर बच्चे का टीकाकरण करवा लें, तो हम उसे जानलेवा बीमारियों से बचा सकते हैं। यही टीके उसकी असली सुरक्षा हैं।
(दर्शकों की ओर मुड़कर)
तुलसी:
एक टीका, बच्चे को बड़ी-बड़ी बीमारियों से बचाती है!
और यह हम सबकी जिम्मेदारी है कि हर बच्चे का पूरा टीकाकरण हो।
तुलसी (दर्शकों से):
"सोचिए — टीके लगवाने से होगी ज़िंदगी भर की सुरक्षा!"
(इच्छा कुछ देर सोचती है, फिर मुस्कुराती है)
इच्छा:
तुम बिल्कुल सही कह रही हो। अब मुझे समझ आ गया — गुड्डू का पूरा टीकाकरण कराना बहुत जरूरी है।
तुलसी:
बहुत अच्छा फैसला, अम्मा! आज पास में ही स्वास्थ्य शिविर लगा है, चलिए वहीं चलते हैं।
(तीनों खुशी-खुशी साथ निकलते हैं)
अंतिम संदेश (सभी दर्शकों की ओर)
संध्या:
अपने बच्चे का पूरा टीकाकरण कराना बहुत जरूरी है!
तुलसी:
टीकाकरण बच्चों को पोलियो, टीबी, निमोनिया, टेटनस, खसरा, काली खाँसी, गलघोंटू जैसी 11 जानलेवा बीमारियों से बचाता है।
इच्छा:
और सबसे बड़ी बात — ये सभी टीके सरकारी अस्पताल और स्वास्थ्य केंद्र पर बिल्कुल मुफ्त लगते हैं!
सभी मिलकर (उत्साह के साथ):
"बच्चों की सुरक्षा, पूरे परिवार की जिम्मेदारी!"
"5 साल, 7 बार — छूटे ना टीका एक भी बार!!!"